जैतपुर में 210 घन मीटर अवैध रेत जमींदोज

माफिया के दुस्साहस पर चला बुलडोजर

शहडोल। जिले में प्राकृतिक संपदा की सरेआम लूट मचाने वाले खनन माफिया और उनके पाले हुए गुंडों की अब खैर नहीं है। कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक के तीखे तेवरों के बाद जिला प्रशासन ने माफियाराज की रीढ़ तोडऩे के लिए पूरी तरह से कमर कस ली है। इसी कड़ी में खनिज, राजस्व और पुलिस महकमे के संयुक्त जांच दल ने जैतपुर से लेकर ब्यौहारी तक ताबड़तोड़ छापेमारी की। प्रशासन के इस अचानक और बेहद आक्रामक रुख से रेत सिंडिकेट चलाने वाले रसूखदारों, बिचौलियों और सफेदपोशों के खेमे में हडक़ंप मच गया है।

रेत माफिया के हौसले पस्त

अवैध खनन के खिलाफ इस जंग की शुरुआत जैतपुर इलाके से हुई, जहां संयुक्त टीम ने रेत के अवैध ठिकानों पर एक के बाद एक कई सर्जिकल स्ट्राइक कीं। गलहता डोंगरी टोला) में साबीर खान के घर के पास अवैध रूप से डंप की गई लगभग 30 घन मीटर रेत जब्त की गई। प्रशासन ने बिना कोई मौका दिए मौके पर ही जेसीबी (पीले पंजे) से पूरी रेत को नष्ट कर मिट्टी में मिला दिया। यहीं कीचड़ में फंसा एक बिना नंबर का संदिग्ध हाइवा भी मिला। चालक गाड़ी छोडक़र फरार हो गया, जिसकी सरगर्मी से तलाश की जा रही है। ग्राम कामता में शासकीय महाविद्यालय के ठीक पास माफिया ने सीनाजोरी करते हुए 50 घन मीटर रेत का पहाड़ खड़ा कर रखा था, जिसे प्रशासनिक बुलडोजर ने रौंद डाला। झिरिया टोला में सरकारी जमीन पर डाका डालकर रखी गई 100 घन मीटर रेत को नेस्तनाबूद किया गया। वहीं ग्राम कोल्हुआ में भंडारित 30 घन मीटर अवैध रेत को भी मिट्टी में मिला दिया गया। जैतपुर अनुभाग के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), सहायक खनिज अधिकारी और थाना प्रभारी की संयुक्त तिकड़ी ने चंद घंटों के भीतर कुल 210 घन मीटर अवैध रेत को जमींदोज कर दिया।

उत्तर प्रदेश पासिंग हाइवा रंगे हाथों दबोचा

माफिया के खिलाफ दूसरा बड़ा एक्शन ब्यौहारी तहसील में देखने को मिला। लगातार मिल रही अवैध उत्खनन और ओवरलोडिंग की शिकायतों पर प्रभारी खनिज निरीक्षक के नेतृत्व में टीम ने तडक़े ही जाल बिछा दिया था। 20 जुलाई की सुबह करीब 8 बजे, ग्राम मऊ स्थित टोल नाके के पास से रेत का अवैध परिवहन करते हुए उत्तर प्रदेश पासिंग एक 10-चक्का भारी-भरकम हाइवा क्रमांक यूपी 64 बीटी 1904 को रंगे हाथों दबोच लिया गया। प्रशासन की घेराबंदी देख माफिया के गुर्गों के हौसले पस्त हो गए। टीम ने तत्परता दिखाते हुए वाहन को अपने कब्जे में लिया और सुरक्षा घेरे के बीच ब्यौहारी तहसील परिसर में ले जाकर खड़ा करवा दिया।

कलेक्टर कोर्ट में तय होगा हश्र

पकड़े गए वाहन, उसके चालक और मालिक के खिलाफ मध्यप्रदेश खनिज (अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 की बेहद सख्त और गैर-जमानती धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। खनिज विभाग ने केस डायरी तैयार कर अंतिम दंडात्मक फैसले के लिए कलेक्टर न्यायालय के समक्ष पेश कर दी है, जहाँ माफिया पर भारी-भरकम जुर्माने और वाहन राजसात करने की तलवार लटक रही है।

प्रशासन की दो टूक चेतावनी

शहडोल की धरती पर खनिज संपदा की चोरी और गुंडागर्दी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगी। जिले के तमाम संवेदनशील और नदी घाटों वाले इलाकों में 24 घंटे की तगड़ी नाकेबंदी और सतत निगरानी शुरू कर दी गई है। आने वाले दिनों में यह अभियान और अधिक उग्र, आक्रामक रहेगा। जो भी कानून से खिलेगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा।

शुभांगी ने रचा नया कीर्तिमान

शहडोल। यदि मन में दृढ़ संकल्प और बाजुओं में मेहनत का जज्बा हो, तो किस्मत को भी घुटने टेकने पड़ते हैं। इस उक्ति को अक्षरशः सच कर दिखाया है शहडोल की होनहार बेटी शुभांगी मिश्रा ने। पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय में कार्यरत प्रधान आरक्षक श्याम मिश्रा की सुपुत्री शुभांगी ने एक या दो नहीं, बल्कि एक साथ पांच प्रतिष्ठित सरकारी सेवाओं में चयनित होकर समूचे विंध्य क्षेत्र में इतिहास रच दिया है।

शुभांगी की यह यात्रा संघर्ष और जीवटता की अद्भुत मिसाल है। इससे पूर्व उन्होंने चिकित्सा क्षेत्र की प्रतिष्ठित नीट परीक्षा में 570 अंक अर्जित कर अपनी तीक्ष्ण बुद्धि का परिचय दिया था, किंतु किन्हीं कारणों से उन्हें चिकित्सा स्नातक (एमबीबीएस) में प्रवेश नहीं मिल सका। इस मोड़ पर अमूमन युवा हताश हो जाते हैं, लेकिन शुभांगी ने दंत चिकित्सा महाविद्यालय में प्रवेश लेने के बजाय प्रशासनिक सेवाओं की ओर रुख किया और अपनी पढ़ाई में जुट गईं।

उनकी कड़ी साधना का परिणाम आज सबके सामने है। शुभांगी का चयन जिन पांच विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर हुआ है, उसमें उप निरीक्षक (मध्य प्रदेश पुलिस), उप निरीक्षक - सूबेदार (मध्य प्रदेश पुलिस), सहायक उपनिरीक्षक - आशुलिपिक (मध्य प्रदेश पुलिस), पुलिस आरक्षक - जिला शहडोल (मध्य प्रदेश पुलिस), कर्मचारी चयन आयोग - आशुलिपिक, रक्षा मंत्रालय (केंद्र सरकार) शामिल हैं।

मूल रूप से उमरिया जिले के शाहपुर की निवासी शुभांगी ने अपनी स्कूली एवं उच्च शिक्षा शहडोल से प्राप्त की है। उनके बड़े भाई कुलदीप मिश्रा (अभियंता) बताते हैं कि शुभांगी बचपन से ही अनुशासित रही हैं। विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने धैर्य नहीं खोया। उनकी इस अभूतपूर्व सफलता पर पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, समाजसेवियों तथा नगरवासियों ने

पेपर लीक और सोनम कांड को लेकर धनपुरी में फूटा गुस्सा

परीक्षा घोटालों पर भडक़े लोग, केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की उठी मांग

शहडोल। देश की राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर धधक रही छात्र आक्रोश की चिंगारी अब कोयलांचल नगरी धनपुरी तक पहुंच गई है। देश भर में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक मामले, युवाओं की आत्महत्याएं और बहुचर्चित सोनम कांड को लेकर अब स्थानीय स्तर पर भी उबाल देखा जा रहा है। इसी कड़ी में धनपुरी के ऐतिहासिक आजाद चौक पर समाजसेवियों और जागरूक युवाओं ने एक जंगी प्रदर्शन कर केंद्र सरकार के खिलाफ अपना तीखा आक्रोश दर्ज कराया। इस दौरान समूचा चौक युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ बंद करो और धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो के नारों से गूंज उठा। विभिन्न परीक्षा घोटालों और युवाओं से जुड़े संवेदनशील मुद्दों को लेकर समाजसेवी तिलकराज सोनी भोला के नेतृत्व में दर्जनों लोग सडक़ों पर उतरे। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां, बैनर और पोस्टर ले रखे थे, जिन पर परीक्षा प्रणाली में सुधार और दोषियों को फांसी देने जैसी मांगें लिखी हुई थीं। आजाद चौक पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि एक के बाद एक हो रहे पेपर लीक और परीक्षा घोटालों ने देश के लाखों होनहार युवाओं के भविष्य को अंधकार में धकेल दिया है। सालों-साल कड़ी मेहनत करने वाले छात्र आज व्यवस्था की नाकामी के कारण आत्महत्या जैसा आत्मघाती कदम उठाने को मजबूर हैं, जो किसी भी सभ्य समाज के लिए बेहद चिंताजनक और शर्मनाक है।

प्रदर्शन के दौरान सीधे तौर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की कार्यप्रणाली को कटघरे में खड़ा किया गया। समाजसेवियों ने दो टूक शब्दों में कहा कि देश के करोड़ों छात्रों का भरोसा तोड़ चुके केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तत्काल अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। इसके साथ ही, प्रदर्शनकारियों ने चर्चित सोनम मामले में भी निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि इस मामले में जिस तरह से लीपापोती की कोशिशें हो रही हैं, उससे आम जनता का न्याय प्रणाली से भरोसा उठ रहा है। सरकार को चाहिए कि इस मामले में त्वरित और पारदर्शी कार्रवाई कर दोषियों को सलाखों के पीछे भेजे, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके।

तिलकराज सोनी भोला मुख्य प्रदर्शनकारी व समाजसेवी ने क हा कि हम दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे राष्ट्रव्यापी छात्र आंदोलन में व्यक्तिगत रूप से शामिल नहीं हो सके, लेकिन धनपुरी की धरती से हम इस लड़ाई को कमजोर नहीं होने देंगे। हमारा यह विरोध प्रदर्शन पूरी तरह से गैर-राजनीतिक है। यह किसी दल विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि देश के छात्रों, युवाओं और पीड़ित बेटियों को न्याय दिलाने की एक पवित्र मुहिम है।

धनपुरी में हुए इस विरोध प्रदर्शन का असर सिर्फ सडक़ तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि सोशल मीडिया पर भी इसकी भारी गूंज सुनाई दी। इस प्रदर्शन का फेसबुक पर सीधा प्रसारण (लाइव) किया गया, जिसने देखते ही देखते इंटरनेट पर तहलका मचा दिया। शहडोल जिले सहित आसपास के हजारों युवाओं, छात्रों और प्रबुद्ध नागरिकों ने इस लाइव वीडियो के माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और कमेंट्स के जरिए अभ्यर्थियों के हक में अपनी आवाज बुलंद की।

प्रदर्शन के दौरान आजाद चौक से गुजरने वाले राहगीर और स्थानीय व्यापारी भी कुछ समय के लिए ठिठक गए और समाजसेवियों की मांगों का समर्थन किया। देखते ही देखते प्रदर्शन स्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई। समाजसेवियों ने अंत में चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यदि सरकार ने युवाओं और छात्रों की जायज मांगों को अनसुना किया, पेपर लीक के दोषियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं हुई और सोनम मामले में न्याय नहीं मिला, तो आने वाले दिनों में यह सांकेतिक प्रदर्शन एक बड़े और उग्र जन-आंदोलन का रूप अख्तियार करेगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

विश्वविद्यालय में दीक्षारंभ कार्यक्रम का छठवें दिन हुआ सफल आयोजन

शहडोल।

पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए आयोजित दीक्षारंभ कार्यक्रम उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राम शंकर ने की, जबकि कुलसचिव डॉ. आशीष तिवारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं नैतिक परंपराओं से परिचित कराते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखना था।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलगुरु प्रो. राम शंकर ने विद्यार्थियों को ज्ञान, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का महत्व बताते हुए कहा कि जो किसी से न डरे और जिससे कोई न डरे, वही आचार्य होता है। उन्होंने आगे कहा कि वाह्य परिस्थितियों से मुक्ति का नाम ही ज्ञान है। उन्होंने विद्यार्थियों से आत्मविश्वास, जिज्ञासा और सतत अध्ययन के माध्यम से जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करने का आह्वान किया।

विशिष्ट अतिथि कुलसचिव डॉ. आशीष तिवारी ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों, नवाचारों, शोध गतिविधियों तथा छात्र-केंद्रित योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे अवसरों का पूर्ण लाभ उठाने का आग्रह किया।

प्रेरक वक्ता अर्शिता तिवारी ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि छोटे कदम बड़े बदलाव की नींव रखते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को बड़े लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा अपने सपनों को इतना ऊंचा रखिए कि आसमान भी आपकी मंज़िल का केवल एक पड़ाव लगे। उनके प्रेरक विचारों ने विद्यार्थियों में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार किया।

आईएमएस, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के डॉ. रजत मिश्रा ने स्कूल से विश्वविद्यालय तक का संक्रमण काल विषय पर संवादात्मक व्याख्यान दिया। उन्होंने विद्यालय से विश्वविद्यालय जीवन में आने वाले शैक्षणिक, मानसिक एवं सामाजिक परिवर्तनों पर विस्तार से चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को समय प्रबंधन, आत्मअनुशासन, सकारात्मक सोच और लक्ष्य आधारित अध्ययन के महत्व से अवगत कराया।

कार्यक्रम में डॉ. उमा सिंह ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों, पाठ्यक्रमों, शोध सुविधाओं एवं छात्र हितैषी गतिविधियों का विस्तृत परिचय प्रस्तुत किया। वहीं डॉ. मौसमी कर ने इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग का आकर्षक वीडियो प्रेजेंटेशन प्रस्तुत कर विभाग की प्रयोगशालाओं, उपलब्ध संसाधनों और शैक्षणिक गतिविधियों से विद्यार्थियों को परिचित कराया।

संयोजक डॉ. मनीषा शुक्ला और सभी सदस्यों द्वारा संचालित किया जा रहा है । जिसमें मुख्य रूप से डॉ. आदर्श तिवारी ,डॉ. मुनीश नेगी ,डॉ. हेमन्त पाठक ,डॉ. रुचि सिंह ,डॉ. वंदना राम ,डॉ. प्रज्ञा यादव, डॉ. संजीव द्विवेदी ,डॉ. दिलीप तिवारी ने सहयोग किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. गणेश ने सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम की सफलता में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

दीक्षारंभ कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्राध्यापकगण, अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में नवप्रवेशित विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय जीवन की नई शुरुआत के लिए प्रेरणा, दिशा और आत्मविश्वास प्रदान किया।

गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा में गूंजे संस्कृत श्लोक, 10 विद्यार्थियों को मिली साइकिल

शासकीय उत्कृष्ट उमावि रघुराज क्रमांक-2 में हुआ आयोजन

शहडोल। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रघुराज क्रमांक-2, शहडोल में गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा के अंतर्गत संस्कृत श्लोक वाचन, भजन एवं कक्षा 9 के 10 पात्र छात्र-छात्राओं को साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य पी.के. मिश्रा ने की, जबकि मुख्य अतिथि विद्यालय प्रबंधन एवं मॉनिटरिंग समिति के नामित सदस्य इंजी. संतोष लोहानी रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। संस्कृत शिक्षक अमित तिवारी एवं विष्णुकांत द्विवेदी ने विद्यार्थियों से संस्कृत श्लोकों का वाचन कराया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने स्वागत गीत एवं भजन प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

मुख्य अतिथि इंजी. संतोष लोहानी ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में लगातार प्रभावी कार्य कर रही है। साइकिल, स्कूटी, लैपटॉप सहित विभिन्न छात्र हितैषी योजनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को शिक्षा से जोडऩे और उन्हें आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से इन योजनाओं का भरपूर लाभ उठाकर मन लगाकर अध्ययन करने तथा अपने परिवार, विद्यालय और प्रदेश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य पी.के. मिश्रा ने विद्यार्थियों को गुरुजनों के प्रति श्रद्धा, अनुशासन, समर्पण एवं भारतीय संस्कारों को जीवन में आत्मसात करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कक्षा 9 के विद्यार्थियों से नियमित अध्ययन, समयपालन और कठिन परिश्रम के माध्यम से उज्ज्वल भविष्य बनाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ शिक्षक अख्तर हुसैन ने प्राचार्य पी.के. मिश्रा एवं मुख्य अतिथि इंजी. संतोष लोहानी का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन मनोज श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर कृष्ण सैनी, राजेंद्र गुप्ता सहित विद्यालय परिवार के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने दो अधिकारियों को किया शो काज नोटिस जारी

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने समय सीमा की साप्ताहिक बैठक से अनुपस्थित रहने पर सहायक प्रबंधक जल निगम उमरिया राहुल मिश्रा तथा कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग सरोज सिंह ठाकुर को शो काज नोटिस जारी किया है तथा कहा है कि आप अपना उत्तर तीन दिवस के अंदर समक्ष में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। उत्तर समाधानकारक व समय सीमा मे प्राप्त नही होने की स्थिति मे एक पक्षीय कार्यवाही की जाएगी जिसके लिए आप स्वयं जिम्मेदार होगे। विदित हो कि सहायक प्रबंधक जल निगम उमरिया राहुल मिश्रा 20 जुलाई को आयोजित समय-सीमा बैठक से अनुपस्थित पाये गये हैं। इसी प्रकार 13 जून को भी श्री मिश्रा देर से समय-सीमा बैठक में उपस्थित हुए थे जबकि समय-सीम बैठक 10.30 बजे से प्रारंभ हो जाती है और श्री मिश्रा 11 बजे बैठक में पहुंचते हैं, जब तक आपके विभाग का समय निकल चुका होता है और विभाग के लंबित समय-सीमा पत्रों एवं सी.एम. हेल्प लाइन शिकायतों की समीक्षा नहीं हो पाती है। यह स्थिति आपत्ति जनक है। इसी तरह कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग सरोज सिंह ठाकुर 20 जुलाई को आयोजित समय सीमा की बैठक से बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित पाए गए। जिससे विभाग से संबंधित लंबित समय सीमा एवं सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की समीक्षा नही हो सकी , जो आपत्ति जनक है। कलेक्टर ने कहा कि अधिकारियों का उक्त कृत्य वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश निर्देशों की अवेहलना एवं अपने पदीय दायित्वों के प्रति लापरवाही, उदासीनता, स्वेच्छाचारिता एवं कर्तव्यविमुखता का परिचायक है जो म.प्र. सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम-3 के विपरीत होकर कदाचरण की श्रेणी में आता है।

यूआईटी आरजीपीवी परिसर में छात्रों और शिक्षकों ने किया वृहद वृक्षारोपण

शहडोल। स्थानीय यूआईटी आरजीपीवी संस्थान में इस बार शैक्षणिक सत्र का आगाज पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ अत्यंत अनूठे ढंग से हुआ। संस्थान परिसर में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों और समस्त कर्मचारियों के संयुक्त तत्वावधान में एक वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इस पुनीत कार्य का मुख्य उद्देश्य पूरे परिसर को हरित व सुंदर बनाना तथा नए विद्यार्थियों के भीतर प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व की भावना जाग्रत करना था।

अभियान के दौरान संचालक डॉ. पंकज जैन ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए वृक्षारोपण के पर्यावरणीय और सामाजिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वृक्ष ही इस धरा का आधार हैं। केवल पौधा लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल करना सतत विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने नवागत छात्र-छात्राओं से पर्यावरण के प्रति सजग रहने की अपील की। इस गरिमामयी अवसर पर डॉ. पी. एल. वर्मा सहित संस्थान के अन्य वरिष्ठ शिक्षक भी उपस्थित रहे।

वृक्षारोपण प्रभारी अमिताप मिश्रा ने बताया कि परिसर के विभिन्न हिस्सों में फलदार, छायादार तथा औषधीय-सजावटी पौधों का रोपण किया गया है। नए छात्रों ने अत्यंत उत्साह के साथ इस अभियान में भाग लिया और प्रत्येक छात्र ने कम से कम एक पौधा लगाने व उसकी सुरक्षा करने की शपथ ली। वृक्षारोपण के इस उल्लास के बीच संस्थान के लिए एक और बड़ी खुशखबरी सामने आई। वर्तमान सत्र की प्रथम चरण की प्रवेश प्रक्रिया में ही संस्थान ने पूरे प्रदेश में उल्लेखनीय सफलता दर्ज की है, जहाँ 90 प्रतिशत से अधिक सीटें भर चुकी हैं। आंकड़ों के अनुसार, खनन विभाग (माइनिंग) में कुल 78 सीटों में से 76 सीटों पर तथा यंत्रशास्त्र (मैकेनिकल) में 78 में से 66 सीटों पर विद्यार्थियों ने प्रवेश ले लिया है, जो संस्थान की उत्कृष्ट साख को दर्शाता है। इस दोहरी खुशी से पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल देखा गया।

बेकाबू डंपर ने बाइक सवार को कुचला, मौके पर ही मौत

शहडोल। कोयलांचल क्षेत्र में अधिक ट्रिप मारने और चंद रुपयों के मुनाफे के लालच में दौड़ रहे भारी वाहनों ने एक और बेकसूर की जान लील ली। धनपुरी थाना क्षेत्र अंतर्गत बम्हौरी तिराहा संगवा रोड पर कोयला लोड कर जा रहे एक तेज रफ्तार काल रूपी ट्रक ने मोटरसाइकिल सवार को बेरहमी से रौंद दिया। टक्कर इतनी जबर्दस्त और खौफनाक थी कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इस रोंगटे खड़े कर देने वाले हादसे के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और देखते ही देखते घटनास्थल पर आक्रोशित ग्रामीणों का हुजूम उमड़ पड़ा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम संगवा टोला निवासी नंदू उर्फ राजेंद्र कोल अपनी मोटरसाइकिल से बंगवार की ओर से वापस अपने घर लौट रहा था। वह जैसे ही बम्हौरी तिराहे के पास पहुंचा, तभी दामिनी खदान क्षेत्र से कोयला लादकर बेहद तेज गति से संगवा साइडिंग की तरफ भाग रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। भारी वाहन के पहियों के नीचे आने से राजेंद्र की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

हादसे के बाद ग्रामीणों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। आक्रोशित जनता ने कोयला परिवहन व्यवस्था और स्थानीय प्रशासन को आड़े हाथों लेते हुए गंभीर आरोप लगाए। ग्रामीणों का साफ कहना है कि कोयला परिवहन में लगे वाहन चालक मोटी कमाई के चक्कर में सुरक्षा मानकों को ठेंगा दिखाकर सडक़ों पर गाडिय़ां दौड़ाते हैं। सबसे बड़ा आरोप यह है कि इन ट्रकों के लिए परमिट के अनुसार दामिनी से कोयला लेकर अमलाई ओसीएम गेट के रास्ते जाने का मार्ग निर्धारित है। इसके बावजूद नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए ये भारी वाहन बंगवार-बम्हौरी के रास्ते संगवा साइडिंग पहुंच रहे हैं। इस रूट उल्लंघन के कारण न केवल ग्रामीण सडक़ें जर्जर हो रही हैं, बल्कि क्षेत्रवासियों का पैदल चलना भी दूभर हो गया है।

घटना के बाद बम्हौरी तिराहे पर भारी तनाव की स्थिति निर्मित हो गई थी। उग्र ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और खनिज विभाग से मांग की है कि इन बेलगाम ट्रकों की गति सीमा तय की जाए और निर्धारित रूट का सख्ती से पालन करवाया जाए। मामले की गंभीरता को देखते हुए धनपुरी थाना पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुंचा। पुलिस ने आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया और शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार किया। पुलिस ने दुर्घटना का मामला दर्ज कर फरार ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है। बहरहाल, इस खूनी हादसे ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि यदि कोयला परिवहन की इस मनमानी पर जल्द नकेल नहीं कसी गई, तो ग्रामीण क्षेत्रों की सडक़ें इसी तरह बेकसूरों के खून से लाल होती रहेंगी।

खबर संक्षेप

मासूम कंचन की सर्पदंश से मौत

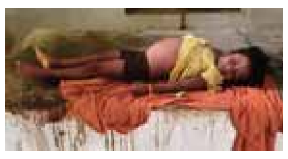

मानपुर। जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत बडारी में रविवार शाम एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है, जहां मात्र तीन वर्ष की मासूम कंचन सिंह काल के गाल में समा गई। पिता राजेंद्र सिंह के कलेजे का टुकड़ा रही कंचन को घर के भीतर ही एक जहरीले सांप ने डस लिया। घटना 19 जुलाई की शाम करीब 4 बजे की है। जहर के असर से मासूम ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इस वज्रपात से पूरे परिवार में चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही मानपुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा तैयार किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मेडिकल ऑफिसर डॉ. राजेंद्र माझी की देखरेख में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। घर के आंगन में बिखरी कंचन की खेल-सामग्रियां देखकर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, और पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

37 वर्षों की सेवा के बाद रामायण हुए सेवानिवृत्त

मानपुर। स्थानीय नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 5 (हनुमान मंदिर के पास) निवासी रामायण प्रसाद शर्मा (त्रिपाठी) पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी, शहडोल के भंडार गृह से अपनी 37 वर्षों की लंबी और बेदाग सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो गए हैं। इस अवसर पर विभाग द्वारा आयोजित एक गरिमामयी समारोह में सहयोगियों ने उन्हें नम आंखों से भावभीनी विदाई दी। कार्यक्रम के दौरान कार्यपालन अभियंता (भंडार) एवं साथी कर्मचारियों ने उनके कर्तव्यनिष्ठ कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हें प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न के रूप में घड़ी भेंट की। उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने श्री त्रिपाठी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और सुखमय सेवानिवृत्त जीवन की मंगलकामना की।

छात्रावास, आश्रमों के निरीक्षण के लिए अधिकारियों की लगाई गई ड्युटी

उमरिया। शासन के जनजातीय कार्य विभाग, अनुसूचित जाति कल्याण विभाग मंत्रालय द्वारा संचालित समस्त छात्रावास, आश्रमों के निरीक्षण हेतु निर्देश दिये गये है। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने तत्संबंध में जिले मे संचालित 80 छात्रावासो, आश्रमों के निरीक्षण के लिए 18 अधिकारियों की डयुटी लगाई हैं तथा निर्देशित किया है कि आगामी दो दिवस में आवंटित आश्रम, छात्रावासों का भ्रमण कर वहां की स्थिति , व्यवस्थाओं तथा किए जाने वाले गुणात्मक सुधारों का संलग्न प्रपत्र में निरीक्षण प्रतिवेदन उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

जिले में गत 24 घंटे में 7.1 मिमी वर्षा दर्ज

उमरिया। अधीक्षक भू अभिलेख ने बताया कि गत 24 घंटे में 7.1 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। बांधवगढ़ तहसील में 5.7 मिमी, पाली तहसील में 14.2 मिमी, नौरोजाबाद तहसील में 13.8 मिमी, चंदिया में 4.9 मिमी, करकेली तहसील में 6.8 मिमी, बिलासपुर तहसील में 4.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जिले में 1 जून से लेकर 20 जुलाई तक 286.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई है जिसमें बांधवगढ़ तहसील में 392.6 मिमी, मानपुर तहसील में 163.1 मिमी, पाली तहसील में 323.8 मिमी, नौरोजाबाद तहसील 312.2 मिमी, चंदिया तहसील में 212.3 मिमी, करकेली तहसील में 359.1 मिमी, बिलासपुर तहसील में 244.3 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जबकि गत वर्ष इसी अवधि तक 681.3 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी जिसमें बांधवगढ़ तहसील में 615.3 मिमी, मानपुर तहसील में 694 मिमी, पाली तहसील में 627.5 मिमी, नौरोजाबाद तहसील 609.2 मिमी, चंदिया तहसील में 798.7 मिमी, करकेली तहसील में 616.5 मिमी, बिलासपुर तहसील में 801.2 मिमी वर्षा शामिल है।

सीएम हेल्पलाईन में सी व डी ग्रेड में रहने वाले विभागीय अधिकारियों के विरूद्ध होगी कार्यवाहीः कलेक्टर

विभागीय अधिकारी समन्वय बनाकर योजनाओं का क्रियान्वयन करें सुनिश्चित

उमरिया।

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएम हेल्पलाइन सहित विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होने कहा कि सीएम हेल्पलाइन सहित समय सीमा के प्रकरणों का नियत तिथि तक निराकरण किया जाना सुनिश्चित करें । सीएम हेल्पलाईन में जो विभाग सी व डी ग्रेड में रहेंगे उनके विभागीय अधिकारियों के विरूध्द कार्यवाही की जाएगी तथा उनके विभाग प्रमुख को भी तत्संबंध में विभागीय अधिकारियों के विरूध्द कार्यवाही करने हेतु लेख किया जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि जो अधिकारी व कर्मचारी मैदानी क्षेत्र में कार्य में शिथिलता बरतेंगे उनके विरूध्द कडी कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि सी व डी रैकिंग के कारण जिले की ग्रेडिंग प्रभावित होती है, अतः सभी अधिकारी ग्रेडिंग जारी होने के तत्काल बाद से ही सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का निराकरण तत्परता से करें।

उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय एवं कमिश्नर कार्यालय से प्राप्त शिकायतों का तत्परता पूर्वक निराकरण कराएं । कोई भी शिकायत अन अटेंडेंट स्थिति में न रहे। कलेक्टर ने समय सीमा की बैठक में निर्देश दिए कि विभागीय अधिकारी समन्वय बनाकर शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित कराएं । उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि जिले के विद्यालय के भवनों को सही स्थिति में रखनें की व्यवस्था कराएं साथ ही विद्यार्थियों को प्राप्त होने वाली सुविधाओं की सुनिश्चितता कराते हुए शैक्षणिक स्तर में सुधार के कार्य करें। उन्होंने कृषि विभाग की प्रगति पर अप्रसन्नता व्यक्त की तथा निर्देश दिए कि किसानों के हित में खाद की पर्याप्त उपलब्धता के प्रयास करें। कलेक्टर ने वन्य प्राणियों के हमलों से घायल व मृत व्यक्तियों को समय सीमा में राहत राशि का भुगतान कराये जाने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए। उन्होने जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि छात्रावासो का आगामी दो दिवस में भ्रमण कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करें। कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दस्तक अभियान की प्रगति से अवगत कराने तथा डायरिया से बचाव के संबंध में आम जन को जागरूक करने की कार्यवाही करनें के निर्देश भी दिए।

इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह, अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार शर्मा, एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

शासकीय आर.व्ही.पी.एस. महाविद्यालय उमरिया में प्रभारी प्राचार्य ने किया पदभार ग्रहण

उमरिया।

म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एवं म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा द्वारा डॉ. अमित कुमार निगम, प्राध्यापक, भौतिकी को अग्रणी शासकीय आर.व्ही.पी.एस. महाविद्यालय उमरिया के प्राचार्य पद के कार्य संपादित किए जाने हेतु प्रभारी प्राचार्य नियुक्त किया गया है। आदेश के परिपालन में डॉ. अमित कुमार निगम ने पूर्वान्ह में अग्रणी शासकीय आर.व्ही.पी.एस. महाविद्यालय उमरिया के प्रभारी प्राचार्य का पदभार ग्रहण कर लिया है। प्राचार्य डॉ. अमित निगम ने महाविद्यालय के स्टॉफ की बैठक में उपरान्त कलेक्टर/कार्यवाहक अध्यक्ष, जनभागीदारी स्थानीय प्रबंधन समिति श्रीमती राखी सहाय से औपचारिक भेंट की।

सेवानिवृत्ति नहीं, समाज सेवा की नई पारी

चचाई। चचाई स्थित हॉस्टल बिल्डिंग में विप्र मित्र मंडली द्वारा आयोजित गरिमामय सम्मान समारोह में सेवानिवृत्त हुए पंडित शेषनारायण शुक्ला का आत्मीय एवं भावभीन सम्मान किया गया। समारोह में समाज के वरिष्ठजनों और विप्र बंधुओं ने शॉल, श्रीफल, पुष्पमालाओं एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके लंबे, अनुकरणीय और कर्तव्यनिष्ठ सेवाकाल की सराहना की। पूरे कार्यक्रम में आत्मीयता, सम्मान और सामाजिक एकजुटता का वातावरण देखने को मिला। विप्र मित्र मंडली की ओर से पंडित संदीप मिश्रा ने शॉल एवं श्रीफल भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पंडित चैतन्य मिश्रा ने कहा कि सेवानिवृत्ति जीवन का अंत नहीं, बल्कि समाज, धर्म और संस्कृति की सेवा के लिए नई शुरुआत है। उन्होंने पंडित शेषनारायण शुक्ला से अपने अनुभव और ज्ञान का लाभ समाज तथा युवा पीढ़ी को देने का आग्रह किया।

कलेक्टर की अध्यक्षता में टास्क फोर्स समिति की बैठक संपन्न

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में टास्क फोर्स समिति की बैठक संपन्न हुई । बैठक में बताया गया कि जिले में अवैध उत्खनन के 6 प्रकरणों में से 5 प्रकरणों पर कार्यवाही करते हुए 7.75 लाख रूपये की वसूली की गई है। इसी तरह अवैध परिवहन के 45 प्रकरणों में से 34 प्रकरणों परकार्यवाही करते हुए 22.85 लाख रूपये की वसूली की गई है। इसी प्रकार अवैध भंडारण के 1 प्रकरण का निराकरण करते हुए 0.12 लाख रूपये की वूसली की गई है। जिले मे लगातार खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन तथा भंडारण पर कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने कहा कि अवैध उत्खनन के जप्त वाहनों के राजसात की कार्यवाही करें तथा खनिज , राजस्व व पुलिस विभाग सतत भ्रमण कर अवैध उत्खनन व परिवहन के रोकथाम के संबंध में तत्परता पूर्वक कार्यवाही करें। इस अवसर पर ख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह, अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार शर्मा, एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कोतमा में नशे का बढ़ता जाल गांजा

स्मैक और नशीले इंजेक्शनों की गिरफ्त में युवा

अपराध और असामयिक मौतों ने बढ़ाई चिंता

हरिभूमि न्यूज कोतमा। कोयलांचल क्षेत्र कोतमा में युवाओं के बीच तेजी से बढ़ती नशे की प्रवृत्ति अब केवल कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि सामाजिक और स्वास्थ्य संकट का रूप ले चुकी है। नगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में गांजा, स्मैक, नशीले इंजेक्शन, कफ सिरप तथा अन्य प्रतिबंधित मादक पदार्थों का अवैध कारोबार लगातार फैल रहा है। इसका सबसे अधिक शिकार 15 से 25 वर्ष आयु वर्ग के युवा और छात्र हो रहे हैं। नशे की लत के कारण चोरी, मारपीट, हिंसा और अन्य गंभीर अपराधों में वृद्धि होने के साथ कई युवाओं की संदिग्ध एवं असामयिक मौतों के मामले भी सामने आ चुके हैं। प्रदेश सरकार और पुलिस विभाग द्वारा नशे से दूरी जैसे जनजागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, लेकिन स्थानीय लोगों का मानना है कि केवल कुछ दिनों के अभियान पर्याप्त नहीं हैं। नशामुक्ति को वर्ष भर चलने वाले सामाजिक आंदोलन का स्वरूप दिया जाना चाहिए, ताकि युवाओं को इस दलदल से बाहर निकाला जा सके।

दूसरे राज्यों से पहुंच रही नशे की खेप

स्थानीय लोगों के अनुसार अनूपपुर और कोतमा क्षेत्र में पड़ोसी राज्यों छत्तीसगढ़ और ओडिशा से गांजा सहित अन्य नशीले पदार्थों की तस्करी लगातार हो रही है। तस्कर युवाओं और छात्रों को आसान निशाना बनाकर उन्हें नशे की लत लगा रहे हैं। धीरे-धीरे यही लत कई युवाओं को अपराध की दुनिया की ओर धकेल रही है।

पुलिस की कार्रवाई जारी, लेकिन चुनौती बड़ी

पुलिस प्रशासन लगातार वाहन चेकिंग, मुखबिरों की सूचना और विशेष अभियान के माध्यम से कार्रवाई कर रहा है। हाल के महीनों में कोतमा पुलिस ने गांजा और स्मैक तस्करों को गिरफ्तार कर लाखों रुपये के मादक पदार्थ और वाहन जब्त किए हैं। आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत कठोर कार्रवाई भी की जा रही है। इसके बावजूद स्थानीय लोगों का कहना है कि नशे के नेटवर्क को पूरी तरह समाप्त करने के लिए और अधिक प्रभावी एवं निरंतर कार्रवाई की आवश्यकता है।

केवल पुलिस नहीं, समाज को भी निभानी होगी जिम्मेदारी

विशेषज्ञों और समाजसेवियों का मानना है कि केवल पुलिस कार्रवाई से इस समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। परिवार, स्कूल, कॉलेज, सामाजिक संगठन और आम नागरिकों को भी युवाओं की गतिविधियों पर नजर रखते हुए उनका मार्गदर्शन करना होगा। समय रहते काउंसलिंग, खेलकूद, रोजगार और सकारात्मक गतिविधियों से युवाओं को नशे से दूर रखा जा सकता है।

सामाजिक भागीदारी ही समाधान

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि प्रशासन की सख्त कार्रवाई, समाज की जागरूकता, परिवार का सहयोग और युवाओं के लिए सकारात्मक अवसर एक साथ उपलब्ध कराए जाएं, तो कोतमा और आसपास के क्षेत्रों को नशे के बढ़ते जाल से काफी हद तक मुक्त कराया जा सकता है। यह केवल कानून का विषय

पूर्व विधायक मनोज कुमार अग्रवाल ने रखे कई सुझाव

पूर्व विधायक मनोज कुमार अग्रवाल का कहना है कि कफ सिरप, नशीले इंजेक्शन, गांजा, स्मैक और अन्य प्रतिबंधित दवाओं की अवैध आपूर्ति पर प्रभावी रोक लगाने के लिए पुलिस और प्रशासन को बड़े स्तर पर अभियान चलाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नशे के शिकार युवाओं को अपराधी नहीं बल्कि मरीज मानकर उनका इलाज और काउंसलिंग कराई जानी चाहिए। नशामुक्ति केंद्रों के माध्यम से उन्हें मुख्यधारा में वापस लाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी, कुंठा और उचित मार्गदर्शन के अभाव में युवा नशे की ओर आकर्षित होते हैं। इसलिए रोजगार के अवसर, खेल सुविधाएं और सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराना भी उतना ही आवश्यक है।

समाजसेवियों ने जताई चिंता

समाजसेवी सुशील शर्मा का कहना है कि पुलिस को नशे के अवैध कारोबारियों और सप्लायरों पर और अधिक सख्ती से

कार्रवाई करनी चाहिए। वहीं नगर के व्यवसायी अजित जैन का मानना है कि स्कूलों और कॉलेजों में नियमित नशा विरोधी अभियान चलाए जाएं, ताकि युवा शुरुआत से ही इस बुराई से दूर रहें। समाजसेवी लक्ष्मी प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि प्रशासन और पुलिस समय-समय पर जागरूकता अभियान और नशामुक्ति शपथ कार्यक्रम आयोजित करते हैं, लेकिन इसके साथ युवाओं की काउंसलिंग और पुनर्वास की व्यवस्था को भी मजबूत बनाया जाना चाहिए।

डॉक्टरों ने बताया गंभीर स्वास्थ्य संकट

वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. केएल दीवान के अनुसार युवाओं में बढ़ती नशे की लत केवल सामाजिक नहीं बल्कि गंभीर स्वास्थ्य संकट भी है। नशीले पदार्थ मस्तिष्क और स्नायुतंत्र को कमजोर कर देते हैं, जिससे डिप्रेशन, अत्यधिक गुस्सा, याददाश्त में कमी और निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होती है। नशे की लत पूरी करने के लिए कई युवा चोरी, हिंसा और अन्य अपराधों का रास्ता अपना लेते हैं। उन्होंने बताया कि आधुनिक जीवन का तनाव, साथियों का दबाव और पारिवारिक समस्याएं भी युवाओं को नशे की ओर धकेलती हैं। हालांकि समय पर चिकित्सकीय उपचार, नशामुक्ति केंद्रों में इलाज, नियमित काउंसलिंग और परिवार के सहयोग से इस लत से बाहर निकला जा सकता है।

मूसलाधार बारिश से कोतमा बेहाल

सड़कों पर जलभराव और घरों में घुसा गंदा पानी, जनजीवन अस्त-व्यस्त

हरिभूमि न्यूजःकोतमा।

नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में सोमवार को मानसून पूरी तरह सक्रिय रहा। मौसम विभाग के अलर्ट के बीच सुबह से शुरू हुई मूसलाधार बारिश देर शाम तक लगातार जारी रही। लगातार हुई वर्षा ने नगर की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई, जबकि सड़कों पर पानी भरने और नालियों के ओवरफ्लो होने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सबसे अधिक परेशानी कॉलेज तिराहा से पुराने अस्पताल तक के मार्ग पर देखने को मिली, जहां सड़क पर तेज बहाव के साथ बारिश का पानी भर जाने से पैदल राहगीरों, दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को आवाजाही में कठिनाई हुई। कई स्थानों पर वाहन रेंगते नजर आए और लोगों को पानी के बीच से गुजरना पड़ा। लगातार बारिश के बीच नगर परिषद की नाली सफाई व्यवस्था भी कटघरे में आ गई। अधिकांश नालियां गंदगी से अटी होने के कारण बारिश का पानी निकासी नहीं पा सका और गंदा पानी सड़कों व रिहायशी इलाकों में फैल गया। वार्ड क्रमांक-7 बनिया टोला में अमानुल्लाह खान के घर के पास मुख्य नाली जाम होने से बारिश का पानी जमा हो गया, जिससे नाली का गंदा पानी घर में घुसने लगा। स्थानीय लोगों ने समय रहते जल निकासी की व्यवस्था कराने की मांग की है। लगातार वर्षा के चलते क्षेत्र के नदी-नाले उफान पर आ गए हैं। खेतों में पानी भर जाने से किसानों को फिलहाल सिंचाई की चिंता से राहत मिली है, लेकिन यदि बारिश का सिलसिला इसी तरह जारी रहा तो फसलों को नुकसान की आशंका भी बढ़ सकती है। बारिश से पहले नगर की क्षतिग्रस्त सड़कों और गड्ढों की मरम्मत नहीं कराए जाने का खामियाजा अब आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। बारिश का पानी गड्ढों में भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पा रहा, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। कई स्थानों पर वाहन चालकों को सावधानीपूर्वक निकलना पड़ा। लगातार बारिश से प्रभावित लोगों ने नगर परिषद और प्रशासन से जल निकासी की तत्काल व्यवस्था, जाम नालियों की सफाई तथा जर्जर सड़कों की शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में भी अच्छी बारिश की संभावना जताई है, ऐसे में यदि समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।

नशे से दूरी है जरूरीः बुढ़ार में छात्रों ने मानव श्रृंखला बनाकर दिया जागरूकता का संदेश

बुढ़ार। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा चलाए जा रहे 'नशे से दूरी है बहुत जरूरी 2.0' अभियान के तहत सोमवार को बुढ़ार नगर में एक विशाल जन-जागरूकता रैली निकाली गई। शहडोल जिला पुलिस अधीक्षक संजय कुमार अग्रवाल के निर्देशन में आयोजित इस रैली को अनुविभागीय पुलिस अधिकारी विकास पाण्डेय ने संदीपनी विद्यालय से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मानव श्रृंखला बनाकर दी सीख, गूंजे नारे

संदीपनी विद्यालय से शुरू होकर यह रैली कॉलेज तिराहे से होते हुए श्रूजा मॉल तक पहुँची। यहाँ स्कूली और कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने एक विशाल मानव श्रृंखला बनाई। हाथों में जागरूकता की तख्तियाँ (स्लोगन) थामे छात्रों ने 'नशे से दूरी है जरूरी' के गगनभेदी नारे लगाए और राहगीरों व आमजन को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया।

अवैध गतिविधियों पर पुलिस की सख्त कार्रवाई जारीः SDOP

इस मौके पर अनुविभागीय पुलिस अधिकारी विकास पाण्डेय ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहाःपूरे प्रदेश में पुलिस इस अभियान के जरिए आम जनता को जागरूक करने का प्रयास कर रही है। एक तरफ जहाँ लोगों को कोरेक्स, एमडी ड्रग्स और गांजे जैसे खतरनाक नशों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों से अवगत कराया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ इन अवैध गतिविधियों और तस्करी में लिप्त अपराधियों के खिलाफ पुलिस लगातार सख्त कानूनी कार्रवाई कर रही है।

रैली में इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति

इस बड़े जागरूकता अभियान में पुलिस प्रशासन के साथ-साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों और शिक्षकों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रैली के दौरान मुख्य रूप से उपस्थित रहेः,विनय सिंह गहरवार (नगर निरीक्षक, बुढ़ार),खेम सिंह पेंद्र (थाना प्रभारी, धनपुरी),नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी,महेंद्र त्रिपाठी, विश्व नाथ त्रिपाठी, श्रीमती लक्ष्मी धुर्वे,दौलत मनमानी (स्थानीयजनप्रतिनिधि/समाजसेवी),अर्जुन सोनी भाग चंद्र सोनी स्थानीय जनप्रतिनिधि/समाजसेवी एवं मीडिया कर्मी मौजूद रहे।

इन शिक्षण संस्थाओं ने निभाई महती भूमिका

इस जन-जागरूकता रैली को सफल बनाने में क्षेत्र के कई प्रमुख स्कूलों और कॉलेजों के छात्र-छात्राओं व शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहाःसंदीपनी विद्यालय,शासकीय कप्तान स्कूल,विद्यासागर इंग्लिश मीडियम स्कूल,शासकीय कन्या हायर सेकंडरी स्कूल,सरस्वती विद्या मंदिर,प्रधानमंत्री एक्सीलेंस महाविद्यालय बुढ़ार शामिल रहे।

खबर संक्षेप

वायुदूत अंकुर अभियान के तहत कल्याणिका महाविद्यालय में वृक्षारोपण, हरित भविष्य का संकल्प

अमरकंटक। पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के निर्माण के उद्देश्य से वायुदूत अंकुर अभियान के अंतर्गत सोमवार को कल्याणिका महाविद्यालय, अमरकंटक परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अभियान के तहत विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित कर विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने पर्यावरण संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आरएस कुशवाहा ने की, जबकि उप प्राचार्य बृजेन्द्र मिश्रा की विशेष उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि राजेंद्र बिष्ट ने पौधारोपण कर अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि वृक्ष केवल प्रकृति की धरोहर ही नहीं, बल्कि मानव जीवन के आधार हैं। प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। प्राचार्य डॉ. आरएस कुशवाहा ने अपने संबोधन में कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए वृक्षारोपण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आहवान किया कि वे पौधे लगाने के साथ उन्हें विकसित करने का भी संकल्प लें, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण मिल सके। उप प्राचार्य बृजेन्द्र मिश्रा ने कहा कि वायुदूत अंकुर अभियान युवाओं में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। ऐसे कार्यक्रम समाज में हरित चेतना का प्रसार करते हैं और प्रकृति संरक्षण के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करते हैं। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने पौधारोपण के साथ लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प भी लिया। महाविद्यालय परिवार ने विश्वास व्यक्त किया कि यह अभियान अमरकंटक को अधिक हरित, स्वच्छ और पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

अलग-अलग हादसों में तीन लोग हुये घायल

कटनी। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुए सड़क हादसों में कई लोग घायल हो गए। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत रेलवे स्टेशन रोड स्थित लाल ग्राउंड के पास एक अज्ञात वाहन चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए हरीश झारिया और राकेश कुचबंधिया को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। दिनेश झारिया की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। इसी प्रकार बड़वारा थाना क्षेत्र के ग्राम बरछेका में मुख्य मार्ग पर ट्रैक्टर चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए रजनीश चौधरी को टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल रजनीश को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। शिकायत पर पुलिस ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं एवं मोटर व्हीकल एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। वहीं, बहोरीबंद थाना क्षेत्र के ग्राम कूड़न के समीप कजरवारा मोड़ पर अज्ञात मोटरसाइकिल चालक ने अनिल गौंड़ और निशांत मौर्य को टक्कर मारकर घायल कर दिया। हनुमानताल चांदनी चौक निवासी वकार आलम की शिकायत पर बहोरीबंद पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है।

लोसेगा अधिनियम में बदलाव, अब अपील होगी स्वतः दर्ज

कटनी। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत नागरिकों को सेवाएं समय-सीमा में उपलब्ध कराने की व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से अपील प्रक्रिया में महत्वपूर्ण संशोधन किया गया है। संशोधित प्रावधान के अनुसार अब सेवा आवेदन निर्धारित समय-सीमा में निराकृत नहीं होने पर आवेदक को अलग से अपील दर्ज कराने की आवश्यकता नहीं होगी।

नुक्कड़ नाटक और जागरूकता रैली के माध्यम से गूंजा नशामुक्ति का संदेश

उमरिया। मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय द्वारा संचालित “नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0” अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक उमरिया विजय भगवानी के निर्देशन एवं एसडीओपी पाली शिवचरण बोहित के मार्गदर्शन में पाली पुलिस एवं युवा टीम उमरिया (म.प्र.) द्वारा सगरा तालाब स्थित सब्जी मंडी परिसर में नुक्कड़ नाटक एवं जन-जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन, विशेषकर युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए उन्हें नशामुक्त एवं स्वस्थ जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करना था। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कलाकारों ने प्रभावशाली प्रस्तुति देते हुए नशे से होने वाले सामाजिक, आर्थिक एवं पारिवारिक दुष्प्रभावों को जीवंत रूप में दर्शाया। वहीं जागरूकता रैली के दौरान पुलिस एवं युवा टीम के सदस्यों ने प्रेरक नारों के माध्यम से नगरवासियों को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ एवं सुरक्षित समाज के निर्माण में सहभागिता निभाने का संदेश दिया।

इस अवसर पर पाली थाना प्रभारी उपनिरीक्षक वीरेंद्र यादव ने उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए नशे के दुष्परिणामों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार, भविष्य और समाज—चारों के लिए घातक है। उन्होंने सभी नागरिकों से नशे से दूर रहने, युवाओं को इसके प्रति जागरूक करने तथा अवैध मादक पदार्थों से संबंधित किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की।कार्यक्रम के अंतर्गत प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक का कुशल संचालन युवा टीम उमरिया के टीम संयोजक हिमांशु तिवारी द्वारा किया गया, जिसकी उपस्थित नागरिकों ने सराहना की।

पाली पुलिस एवं युवा टीम उमरिया का यह संयुक्त प्रयास जनसहभागिता के माध्यम से नशामुक्त समाज के निर्माण की दिशा में एक प्रेरणादायक एवं सराहनीय पहल साबित हुआ। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा 15 से 30 जुलाई 2026 तक संचालित इस अभियान का उद्देश्य प्रदेशभर में जनजागरूकता के माध्यम से नशे के विरुद्ध सशक्त सामाजिक वातावरण तैयार करना है।कार्यक्रम के दौरान उपनिरीक्षक वीरेंद्र यादव ,एस बी सिंह,बाल्मीकि प्रजापति प्रधान आरक्षक महेश मिश्रा ,प्रमोद जाटव,रोहित जाटव,राहकुमार धुरवरे,महा सिंह,आरक्षक अनीत द्विवेदी, सुदीप पटेल,टीम संयोजक हिमांशु तिवारी, राहुल सिंह,अभिनव द्विवेदी, रुद्र प्रधान,दीप्ति सिंह,नेहा सिंह,चारवी तिवारी,शुभम पटेल,अतिव्य रजक,श्रद्धा सिंह,भक्ति सिंह,पूर्वी तिवारी,योशोदा कोल,खुशी कोल एवं सभी जन उपस्थित रहे।

श्री विट्ठल नामदेव समाज संगठन की जिला कार्यकारिणी गठित, अध्यक्ष ने सौंपे सभी पदाधिकारियों को दायित्व

उमरिया। श्री विट्ठल नामदेव समाज संगठन जिला उमरिया की जिला स्तरीय बैठक, स्थानीय - वीणा पैलेस, उमरिया में आयोजित की गई। इस बैठक में सर्वप्रथम संत शिरोमणि नामदेव जी महाराज के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर एवं उनके समक्ष दीप प्रज्वलन कर बैठक को प्रारंभ किया गया। बैठक में नवीन कार्यकारिणी समिति की घोषणा की गई तथा नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री कैलाश चंद नामदेव द्वारा समिति के सभी पदाधिकारीयों का माल्यार्पण कर स्वागत करते हुए उन्हें समाज के प्रति निस्वार्थ रूप से उनके कर्तव्यों की शपथ दिलाई गई।

जिला कार्यकारिणी में श्री रमेश नामदेव महुरा, श्री रमेश नामदेव निगहरी, श्री ओमप्रकाश नामदेव मानपुर को सरंक्षक ,श्री प्रेमाधार नामदेव उमरिया को निदेशक, श्री श्रवण कुमार नामदेव उमरिया, श्री श्रीचंद नामदेव, बिरसिंहपुर पाली,श्री बसंत नामदेव मानपुर,श्री विनय नामदेव पिनौरा को उपाध्यक्ष, श्री संतोष नामदेव (सेवानिवृत्त शिक्षक) उमरिया को सचिव,श्री दीपक नामदेव, सिलौंड़ी श्री सन्तकुमार नामदेव, रामपुर श्री पंकज नामदेव, भरौला को सहसचिव, श्री राजकुमार नामदेव, उमरिया को कोषाध्यक्ष श्री मिठाईलाल नामदेव उमरिया,श्री शिवचरण नामदेव महरोई,श्री राजेन्द्र नामदेव बिरसिंहपुर पाली,श्री राकेश नामदेव बड़ेरी,श्री गेंदलाल नामदेव बरही,श्री बी.पी. नामदेव, बिलासपुर को संगठन मंत्री, एवंश्री सम्पत नामदेव उमरिया,श्री भोला नामदेव नरवार को प्रचार प्रसार मंत्री बनाया गया।इसके साथ बैठक के प्रमुख विषयों पर चर्चा की गई जिसमें नवीन पदाधिकारियों को उनके दायित्वों की जानकारी दी गई। समिति के शीघ्र रजिस्ट्रेशन हेतु चर्चा की गई। एवं खंड स्तरीय समिति का गठन जल्द से जल्द करने पर चर्चा की गई। बैठक में श्री कन्हैया लाल नामदेव, वरुण नामदेव, भरत नामदेव, दीपू नामदेव, राजेश कुमार नामदेव, बबलू नामदेव सहित सभी सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।बैठक का सफल संचालन किशोर नामदेव द्वारा किया गया । अंत में अध्यक्ष महोदय के उद्बोधन उपरांत बैठक समाप्ति घोषणा की गई।

शोक संतप्त परिवारों के लिए निः शुल्क फ्रीजर की व्यवस्था

श्री साँई सेवा समिति ने शुरू की फ्रीजर युक्त अनूठी एम्बुलेंस सेवा

शहडोल। ‘नर सेवा ही नारायण सेवा है’ इस पावन संदेश को आत्मसात करते हुए श्री सांई सेवा समिति, शहडोल द्वारा जनहित में एक अत्यंत सराहनीय और अनुकरणीय पहल की शुरुआत की गई है। समिति ने क्षेत्र के आम नागरिकों और गंभीर रूप से अस्वस्थ मरीजों की त्वरित सहायता के लिए एक अत्याधुनिक एम्बुलेंस वाहन सेवा का शुभारंभ किया है। इस नव-क्रय किए गए वाहन को स्थानीय सुप्रसिद्ध दुर्गा मंदिर परिसर में लाकर विद्वान पुरोहितों द्वारा पूरे विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अभिमंत्रित किया गया, जिसके पश्चात इसे पूरी तरह से समाज के चरणों में समर्पित कर दिया गया।

समिति द्वारा शुरू की गई इस एम्बुलेंस सेवा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें चिकित्सा आपातकाल के साथ-साथ एक अत्यंत संवेदनशील सुविधा जोड़ी गई है। इस वाहन के साथ समिति द्वारा एक आधुनिक फ्रीजर (शव-संरक्षण यंत्र) भी उपलब्ध कराया जा रहा है। यदि किसी परिवार पर दुखों का पहाड़ टूटता है और उन्हें अपने प्रियजन के पार्थिव शरीर को सुरक्षित रखने के लिए फ्रीजर की आवश्यकता होती है, तो समिति द्वारा गाड़ी के साथ यह फ्रीजर पूरी तरह से निःशुल्क (बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के) प्रदान किया जाएगा। विपदा की घड़ी में शोक संतप्त परिवारों के लिए यह सेवा एक संबल साबित होगी।

समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि भगवान श्री सत्य साँई बाबा जी के दिव्य आदर्श सदैव सहायता करो, कभी किसी को कष्ट मत पहुंचाओ को ध्येय वाक्य मानकर इस एम्बुलेंस का संचालन किया जा रहा है। समाज सेवा के इस पुनीत यज्ञ में नगर के कई दानदाताओं और प्रबुद्ध वर्गों ने अपना प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष सहयोग दिया है। कृतज्ञता स्वरूप वाहन पर विभिन्न सहयोगियों और दिवंगत विभूतियों की पावन स्मृति में श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए हैं, जिनमें मसीह समाज शहडोल, विराटेश्वरी धाम, स्वर्गीय राधा देवी मोर, स्वर्गीय भगतराम सिंघल, स्वर्गीय कृष्णा रानी ढण्ड, स्वर्गीय सुंदरलाल पटेल तथा स्वर्गीय डिल्ली इब्राहिम प्रमुख हैं।

इस एम्बुलेंस सेवा को पूर्णतः गैर-लाभकारी (नो-प्रॉफिट) आधार पर संचालित किया जा रहा है। केवल वाहन के रखरखाव, चालक के पारिश्रमिक और ईंधन व्यय को ध्यान में रखते हुए इसका न्यूनतम शुल्क मात्र 500 निर्धारित किया गया है, ताकि समाज का निर्धन से निर्धन व्यक्ति भी संकट के समय बेझिझक इस सुविधा का लाभ उठा सके।

आपातकाल के समय नागरिकों को तत्काल सहायता मिल सके, इसके लिए वाहन पर ही समस्त आवश्यक जानकारी और संपर्क सूत्र अंकित कर दिए गए हैं। इस पूरी व्यवस्था के सुचारू संचालन का दायित्व साँई सेवा समिति के वाहन सेवा प्रभारी को सौंपा गया है। इसके साथ ही सजग चालक के रूप में जावेद खान को नियुक्त किया गया है, जो किसी भी समय आपातकालीन पुकार पर सेवा के लिए मुस्तैद रहेंगे। आज शुभारंभ के इस मांगलिक अवसर पर समिति के पदाधिकारी, सदस्य, बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु और प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे, जिन्होंने समिति की इस अभिनव और मानवीय पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा की है।

वरिष्ठ नागरिकों को बताए गए दर्द से राहत के सरल उपाय

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए नियमित व्यायाम जरूरी

शहडोल। सीनियर सिटीजन एसोसिएशन शहडोल की मासिक बैठक रविवार को होटल लेवल वन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एम.एल. मंत्री ने की, जबकि आयोजन में अरुण अग्रवाल एवं योगेश अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभु हनुमान जी की स्तुति के साथ किया गया। बैठक में वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. प्रदीप शुक्ला ने वरिष्ठ नागरिकों को बढ़ती उम्र में होने वाली शारीरिक समस्याओं से बचाव एवं उपचार के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 65 वर्ष की आयु के बाद अधिकांश लोगों को गर्दन, कंधे, कमर, घुटनों, पैरों तथा अन्य मांसपेशियों में दर्द की शिकायत होने लगती है। सामान्यतः लोग ऐसी समस्याओं के लिए दवाइयों का सहारा लेते हैं, जबकि नियमित एवं सही तरीके से किए गए व्यायाम से इन परेशानियों में काफी हद तक राहत मिल सकती है। डॉ. शुक्ला ने उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों को गर्दन के दर्द के लिए सरल व्यायाम का प्रदर्शन करते हुए बताया कि गर्दन को आगे-पीछे तथा दाएं-बाएं लगभग 20 बार धीरे-धीरे घुमाने से दर्द में लाभ मिलता है। इसके अलावा उन्होंने कंधे, कमर, घुटनों, पैरों और पिंडलियों के दर्द से राहत देने वाले विभिन्न व्यायाम भी विस्तार से समझाए। उन्होंने कहा कि यदि प्रतिदिन निर्धारित समय तक नियमित अभ्यास किया जाए तो मांसपेशियों की जकडऩ कम होती है और शरीर अधिक सक्रिय बना रहता है।कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों ने व्यायाम संबंधी जानकारी को उपयोगी बताते हुए इसे दैनिक जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। बैठक में एम.एल. मंत्री, महेश अग्रवाल, जी.डी. आहूजा, राधेश्याम शुक्ला, एस.के. सिंह परमार, डॉ. गौरी शंकर, मृत्युंजय सिंह, जितेंद्र प्रताप सिंह, कमल मुंडड़ा, राजेन्द्र अग्रवाल, राजकुमार सिंह, डॉ. पवन मुंडड़ा, हरीश सलूजा, योगेश अग्रवाल, अरुण अग्रवाल, सुहास वासुदेव, शरद झवेरी, अमर सिंघानिया, महेंद्र श्रीवास्तव, महेंद्र बिजयानी, दीपक ढोंढी एवं सुरेन्द्र अग्रवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को स्वस्थ, सक्रिय एवं आत्मनिर्भर जीवन के प्रति जागरूक करना रहा। विशेषज्ञों ने नियमित व्यायाम, संतुलित दिनचर्या और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संदेश देते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर ही सुखी और सम्मानजनक जीवन का आधार है।

खबर संक्षेप

विकास कार्यों में देरी नहीं होगी बर्दाश्त, समय-सीमा में पूरे करें निर्माण कार्य-कलेक्टर हर्षल पंचोली

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले में चल रहे विकास एवं निर्माण कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण कराने के उद्देश्य से कलेक्टर हर्षल पंचोली ने सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा समागार में समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्यों की अद्यतन जानकारी वर्क मैनेजमेंट पोर्टल पर नियमित रूप से दर्ज की जाए और कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। बैठक में लोक निर्माण विभाग, पीआईयू, ब्रिज कॉर्पोरेशन, स्कूल शिक्षा विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम, नगरीय निकाय, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग सहित विभिन्न निर्माण एजेंसियों के कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की गई। कलेक्टर ने प्रत्येक परियोजना की वर्तमान स्थिति, प्रगति, शेष कार्य एवं संभावित बाधाओं की जानकारी लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर श्री पंचोली ने कहा कि जिले के विकास कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरे होना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा वर्क मैनेजमेंट पोर्टल पर प्रत्येक परियोजना की भौतिक प्रगति, विभागीय टिप्पणी, कार्य पूर्ण होने की संभावित तिथि और यदि किसी प्रकार की समस्या हो तो उसका विस्तृत उल्लेख अनिवार्य रूप से किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को आगाह करते हुए कहा कि शासकीय कार्यों में किसी भी स्तर की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करें तथा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान कलेक्टर ने पोर्टल पर दर्ज जानकारियों का भी अवलोकन किया और निर्देश दिए कि सभी प्रविष्टियां तथ्यात्मक, अद्यतन एवं पूर्ण हों, ताकि विकास कार्यों की प्रभावी निगरानी और समय पर क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अर्चना कुमारी, विभिन्न निर्माण विभागों के कार्यपालन यंत्री, नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा संबंधित विभागों के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नशे से दूरी, उज्ज्वल भविष्य की मजबूरी

अमरकंटक। युवाओं को नशे की लत से बचाकर स्वस्थ, सुरक्षित और जिम्मेदार समाज के निर्माण के उद्देश्य से अमरकंटक पुलिस द्वारा संचालित नशा मुक्ति अभियान 2.0 के तहत सोमवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पोड़की एवं ताली में व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में करीब 450 छात्र-छात्राओं ने भाग लेते हुए नशामुक्त जीवन अपनाने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की शपथ ली। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पोड़की में आयोजित कार्यक्रम में लगभग 250 तथा ताली विद्यालय में करीब 200 छात्र-छात्राओं की सहभागिता रही। पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि नशा व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को कमजोर करने के साथ ही परिवार, समाज और देश की प्रगति में भी सबसे बड़ी बाधा बनता है। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा, अनुशासन और अच्छे संस्कारों को जीवन का आधार बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को व्यक्तिगत सुरक्षा, साइबर जागरूकता, सामाजिक जिम्मेदारियों और कानून संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां भी दी गईं। अधिकारियों ने कहा कि युवा यदि नशे से दूर रहकर सकारात्मक सोच अपनाएं तो वे अपने परिवार और समाज के लिए प्रेरणा बन सकते हैं। जागरूकता कार्यक्रम के अंत में सभी छात्र-छात्राओं ने सामूहिक रूप से नशा न करने, नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने की शपथ ली। इस अवसर पर थाना अमरकंटक से उप निरीक्षक पीएस बघेल, सहायक उप निरीक्षक ईश्वर यादव, सहायक उप निरीक्षक पी.आर. धनंजय एवं आरक्षक कृष्ण सिंह राजावत उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए नशे के दुष्परिणामों की जानकारी दी और उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए नशामुक्त जीवन अपनाने की प्रेरणा दी।

अमरकंटक मंदिर परिसर में टीका-चंदन लगाते नौनिहाल, शिक्षा और सुरक्षा पर गंभीर सवाल

आस्था की आड़ में बचपन से समझौता?

किताबों की जगह चंदन का डिब्बा, स्कूल की जगह मंदिर परिसर बना ठिकाना

सावन से पहले प्रशासनिक व्यवस्था पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

मां नर्मदा के उद्गम स्थल और देश के प्रमुख धार्मिक तीर्थों में शुमार अमरकंटक इन दिनों एक ऐसे दृश्य का साक्षी बन रहा है, जिसने बाल अधिकार, शिक्षा व्यवस्था और मंदिर परिसर की सुरक्षा को लेकर कई गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। मंदिर परिसर, कोटितीर्थ कुंड और रामघाट क्षेत्र में बड़ी संख्या में मासूम बच्चे श्रद्धालुओं के माथे पर टीका-चंदन लगाकर उनसे धनराशि प्राप्त करते दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह गतिविधि अब लगातार और खुले तौर पर संचालित हो रही है, लेकिन इसे रोकने की दिशा में अब तक कोई प्रभावी पहल नजर नहीं आ रही। मंदिर परिसर में बच्चों के हाथों में चंदन के डिब्बे, ब्रश और नर्मदे हर, ओंम तथा महाकाल अंकित सांचे दिखाई देते हैं। श्रद्धालुओं को रोककर उनके माथे पर टीका लगाया जाता है और उसके बाद उनसे स्वेच्छा अथवा अपेक्षित रूप से धनराशि ली जाती है। कई श्रद्धालु इसे धार्मिक परंपरा का हिस्सा समझकर राशि दे देते हैं, जबकि स्थानीय लोगों का कहना है कि इसके पीछे आर्थिक लाभ का एक नियमित माध्यम विकसित हो चुका है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिन बच्चों को इस समय विद्यालय की कक्षाओं में होना चाहिए, वे दिनभर मंदिर परिसर में क्यों दिखाई दे रहे हैं? स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि कुछ अभिभावक प्रतिदिन मिलने वाली आय के कारण बच्चों को स्कूल भेजने के बजाय इस कार्य में लगा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, एक बच्चा प्रतिदिन लगभग 200 से 300 रुपये तक कमा लेता है। यही कारण है कि कई बच्चे सुबह से शाम तक मंदिर परिसर में ही सक्रिय रहते हैं और उनकी पढ़ाई लगातार प्रभावित हो रही है। यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो यह केवल शिक्षा से दूरी का मामला नहीं रहेगा, बल्कि एक पूरी पीढ़ी के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। बाल्यावस्था में शिक्षा से वंचित होने वाले बच्चों के लिए आगे चलकर बेहतर रोजगार, सामाजिक विकास और आत्मनिर्भर जीवन की संभावनाएं भी कमजोर पड़ सकती हैं।

क्या बाल संरक्षण कानूनों का हो रहा है उल्लंघन?

सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि यदि बच्चों से नियमित रूप से आर्थिक गतिविधियां कराई जा रही हैं और इसके कारण उनकी शिक्षा प्रभावित हो रही है, तो यह विषय केवल सामाजिक चिंता तक सीमित नहीं है। यह बाल अधिकार, बाल संरक्षण और बाल श्रम से जुड़े कानूनों के दृष्टिकोण से भी गंभीर जांच का विषय हो सकता है। लोगों का कहना है कि संबंधित विभागों को इस पूरे मामले का तथ्यात्मक परीक्षण कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

बाहरी एवं संदिग्ध लोगों की सक्रियता पर भी चिंता

स्थानीय लोगों का आरोप है कि मंदिर परिसर में कुछ बाहरी एवं संदिग्ध व्यक्ति भी इसी प्रकार की गतिविधियों में संलिप्त हैं। उनकी पहचान, सत्यापन और उद्देश्य को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं की आवाजाही वाले इस संवेदनशील धार्मिक स्थल पर ऐसे लोगों की मौजूदगी सुरक्षा व्यवस्था के लिहाज से भी चिंता का विषय मानी जा रही है। कुछ समय पूर्व जबलपुर से आए पर्यटकों के सामान चोरी होने की घटना भी सामने आई थी, जिसकी शिकायत पुलिस थाना अमरकंटक और नगर परिषद में दर्ज कराई गई थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि उस घटना के बाद भी मंदिर परिसर में सक्रिय बाहरी लोगों के सत्यापन और निगरानी को लेकर अपेक्षित सख्ती दिखाई नहीं दी।

सावन में लाखों श्रद्धालुओं की होगी आमद

कुछ ही दिनों में सावन माह प्रारंभ होने वाला है। इस दौरान देशभर से लाखों श्रद्धालु मां नर्मदा के दर्शन, पूजन और जलाभिषेक के लिए अमरकंटक पहुंचते हैं। ऐसे समय में यदि मंदिर परिसर में बच्चों से इस प्रकार का कार्य कराया जाता रहा और बाहरी लोगों की गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी नहीं रही, तो भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था दोनों के लिए चुनौती बढ़ सकती है।

जवाब तलाश रहे हैं स्थानीय लोग

स्थानीय नागरिक कई सवाल उठा रहे हैं क्या मंदिर परिसर में बच्चों की नियमित मौजूदगी की जानकारी संबंधित विभागों को है? क्या इन बच्चों का विद्यालयों में नामांकन और उपस्थिति की जांच हुई है? क्या बाल संरक्षण, शिक्षा और श्रम विभाग ने कभी संयुक्त निरीक्षण किया? मंदिर परिसर में सक्रिय बाहरी लोगों का सत्यापन कब और किस स्तर पर हुआ? और सबसे महत्वपूर्ण, यदि बच्चे शिक्षा छोड़कर इस कार्य में लगे हैं तो उन्हें दोबारा स्कूल तक पहुंचाने की जिम्मेदारी कौन निभाएगा?

प्रशासन से कार्रवाई की मांग

स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, मंदिर प्रबंधन, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग और श्रम विभाग से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए। बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए, जरूरतमंद परिवारों को सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाए तथा मंदिर परिसर में सक्रिय सभी बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन सुनिश्चित किया जाए। लोगों का कहना है कि अमरकंटक केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है। ऐसे में यहां बच्चों का बचपन सुरक्षित रहे, श्रद्धालुओं की सुरक्षा बनी रहे और मंदिर की गरिमा अक्षुण्ण रहे यह प्रशासन और समाज, दोनों की साझा जिम्मेदारी है।

लोकतंत्र की रक्षा के लिए जेल की यातनाएं भी स्वीकार थीं-लोकतंत्र सेनानी मूलचंद अग्रवाल

आपातकाल की संघर्षगाथा सुनाते हुए बोले, लोकतंत्र बचाने की लड़ाई में झेले अत्याचार, लेकिन नहीं झुके

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

वर्ष 1975-77 के आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले अनूपपुर के लोकतंत्र सेनानी मूलचंद अग्रवाल ने उस दौर की भयावह परिस्थितियों, जेल की यातनाओं और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए किए गए संघर्ष को याद करते हुए अपने संस्मरण साझा किए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए जेल जाना और यातनाएं सहना भी उन्हें स्वीकार था, क्योंकि देशहित और लोकतंत्र सर्वोपरि थे। मूलचंद अग्रवाल ने बताया कि 6 फरवरी 1976 को आपातकाल विरोधी साइक्लोस्टाइल पर्चे छापने एवं वितरित करने के आरोप में उन्हें डीआईआर की धारा-48 के तहत गिरफ्तार कर शहडोल जिला जेल भेजा गया। उन्होंने कहा कि 7 मई 1976 को न्यायालय से रिहाई का आदेश मिलने के बाद भी उन्हें जेल के बाहर ही दोबारा गिरफ्तार कर लिया गया और अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर पुनः जेल भेज दिया गया। अंततः 25 मई 1976 को उन्हें अंतिम रूप से रिहा किया गया।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तारी के बाद अनूपपुर, शहडोल और जबलपुर में पुलिस तथा सीबीआई अधिकारियों ने उनसे लगातार पूछताछ की। अधिकारियों ने आपातकाल विरोधी पर्चों के स्रोत और उनके सहयोगियों के बारे में जानकारी हासिल करने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने किसी भी प्रकार के दबाव के आगे झुकने से इनकार कर दिया।

लोकतंत्र सेनानी ने जेल के दिनों को याद करते हुए कहा कि उस समय कैदियों के साथ अमानवीय व्यवहार किया जाता था। अन्याय का विरोध करने पर दंड देने की धमकियां मिलती थीं, लेकिन उन्होंने अपने साथियों के साथ आवाज बुलंद की और भूख हड़ताल तक की। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य खराब होने और गंभीर फोड़ा होने के बावजूद समय पर उपचार उपलब्ध नहीं कराया गया, फिर भी उनका मनोबल नहीं टूटा। मूलचंद अग्रवाल ने कहा कि उस दौर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनेक कार्यकर्ता भूमिगत रहकर लोकतंत्र की बहाली के लिए सक्रिय थे। उन्होंने कहा कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र की सबसे कठिन परीक्षा थी, लेकिन लोकतंत्र के प्रहरी अडिग रहे और अंततः लोकतंत्र की विजय हुई। उन्होंने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले सेनानियों के त्याग, बलिदान और साहस को हमेशा याद रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनौतियां हर दौर में आती हैं, लेकिन उनसे डरकर पीछे हटने के बजाय लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की रक्षा के लिए साहसपूर्वक संघर्ष करना ही सच्ची राष्ट्रसेवा है।

अनूपपुर में बाढ़-बारिश को लेकर हाई अलर्ट, 24 घंटे कंट्रोल रूम सक्रिय

कलेक्टर की सख्त चेतावनी-रपटे पुल-पुलिया और उफनते नालों को पार करने की भूल न करें

जान जोखिम में डालने वालों पर रहेगी नजर

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले में लगातार हो रही बारिश और बाढ़ एवं अतिवृष्टि की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह हाई अलर्ट पर है। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जिले में आपदा प्रबंधन व्यवस्था को सक्रिय करते हुए कलेक्ट्रेट परिसर स्थित जिला आपदा नियंत्रण कक्ष (कक्ष क्रमांक-56) में 24 घंटे जिला स्तरीय कंट्रोल रूम संचालित करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने आम नागरिकों से अपील की है कि बारिश के दौरान किसी भी हालत में जलमग्न रपटे, पुल-पुलिया अथवा उफनते नदी-नालों को पार करने का प्रयास न करें, क्योंकि थोड़ी सी लापरवाही भी जानलेवा साबित हो सकती है। कलेक्टर ने कहा कि मानसून के दौरान जिले के कई स्थानों पर नदी-नालों का जलस्तर अचानक बढ़ जाता है। ऐसे में लोग अक्सर जल्दबाजी में बहते पानी के बीच से वाहन निकालने या पैदल पार करने का प्रयास करते हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। प्रशासन की प्राथमिकता प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा है, इसलिए लोगों से धैर्य रखने और सुरक्षित स्थान पर रुकने की अपील की गई है। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वर्षा, नदी-नालों के जलस्तर, जलभराव और अन्य संभावित आपदाओं पर लगातार निगरानी रखी जाए। किसी भी आपात स्थिति की सूचना मिलते ही राहत एवं बचाव दल तत्काल मौके पर पहुंचे और प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाए। संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखने के भी निर्देश दिए गए हैं।

तीन शिफ्टों में 24 घंटे तैनात रहेंगे कर्मचारी

जिला आपदा नियंत्रण कक्ष के निर्बाध संचालन के लिए कर्मचारियों की तीन शिफ्टों में ड्यूटी लगाई गई है। सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक मनोज कुमार रौतेल, दोपहर 2 बजे से रात 8 बजे तक कमलेश्वरी यादव एवं सपना रजक, जबकि रात 8 बजे से सुबह 8 बजे तक भोलेलाल कोल तैनात रहेंगे। कंट्रोल रूम के समन्वय एवं संचालन के लिए जिला प्रबंधक, लोक सेवा प्रबंधन विभाग सोनू सिंह राजपूत को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

तुरंत दें आपदा की सूचना

प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि कहीं भी बाढ़, जलभराव, सड़क क्षतिग्रस्त होने, नदी-नालों में उफान या अन्य आपदा जैसी स्थिति दिखाई दे तो उसकी सूचना तत्काल जिला कंट्रोल रूम को दें, ताकि समय रहते राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया जा सके। कंट्रोल रूम के दूरभाष और ई-मेल के माध्यम से भी सूचना दी जा सकती है।

प्रशासन की अपील सावधानी ही सबसे बड़ा बचाव

कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कहा कि वर्षा ऋतु में सतर्कता और संयम ही सबसे बड़ा बचाव है। मौसम सामान्य होने तक अनावश्यक यात्रा से बचें, प्रशासन द्वारा लगाए गए बैरिकेड्स या चेतावनी संकेतों की अनदेखी न करें और किसी भी जोखिमपूर्ण स्थिति में स्वयं निर्णय लेने के बजाय प्रशासन की सलाह का पालन करें। जिला प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि किसी भी आपदा की स्थिति से निपटने के लिए सभी विभाग पूरी तरह तैयार हैं और जन-धन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी।

23.50 लाख का बैंक ऋण नहीं चुकाने पर मकान और जमीन कुर्क

प्रशासन ने पुलिस बल के साथ बैंक को सौंपा कब्जा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन/रोजगार गारंटी योजना के तहत लिए गए 23 लाख 50 हजार रुपये के बैंक ऋण का भुगतान नहीं करने पर अंततः उधारकर्ता की संपत्ति कुर्क कर बैंक के कब्जे में सौंप दी गई। यह कार्रवाई न्यायालय के आदेश और सरफेसी अधिनियम के तहत की गई। जानकारी के अनुसार, निशा गुप्ता, पति भगवानदीन गुप्ता को 5 सितंबर 2019 को 23.50 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया था। इस ऋण में शोभा प्रसाद गुप्ता, पिता शुक्लू प्रसाद जमानतदार थे। निर्धारित समय पर ऋण की किस्तें जमा नहीं होने के कारण 5 मई 2025 को खाता एनपीए (नॉन-परफॉर्मिंग एसेट) घोषित कर दिया गया। इसके बाद बैंक ने सरफेसी एक्ट के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू की। मामले में सीजेएम न्यायालय, राजेंद्रग्राम ने 24 सितंबर 2025 को बैंक के पक्ष में निर्णय देते हुए संबंधित मकान एवं जमीन को प्रशासन की सहायता से खाली कराकर बैंक को सुपुर्द करने के निर्देश दिए। न्यायालय के आदेश के पालन में 1 जुलाई 2026 को तहसीलदार पुष्पराजगढ़ ने कॉलेज तिराहा स्थित मकान और जमीन का कब्जा दिलाने का प्रयास किया, लेकिन ऋणधारक के विरोध तथा पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध नहीं होने के कारण उस दिन कार्रवाई पूरी नहीं हो सकी। इसके बाद प्रशासन ने संबंधित पक्ष को तीन दिन का समय संपत्ति खाली करने के लिए दिया। निर्धारित अवधि समाप्त होने के बाद 4 जुलाई 2026 को तहसीलदार पुष्पराजगढ़ ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में कार्रवाई करते हुए मकान एवं जमीन को खाली कराया और उसका वैधानिक कब्जा बैंक को सौंप दिया। इस कार्रवाई में तहसीलदार पुष्पराजगढ़, थाना प्रभारी राजेंद्रग्राम एवं पुलिस बल, अग्रणी जिला प्रबंधक दिलीप निगम तथा शाखा प्रबंधक चित्रकांत पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि बैंक ऋण की अदायगी में लगातार लापरवाही बरतने वाले मामलों में कानून के अनुसार ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

2022 में बनी पुलिया ढही, बड़ा हादसा टला

एसईसीएल के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज राजनगर। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) क्षेत्र में एसईसीएल राजनगर क्षेत्र के सिविल विभाग द्वारा वर्ष 2022 में अंडरग्राउंड नाले पर निर्मित पुलिया का एक बड़ा हिस्सा अचानक ध्वस्त हो गया। गनीमत रही कि यह घटना रात करीब 2 बजे हुई, जब मार्ग पर आवाजाही नहीं थी। यदि यही हादसा दिन के समय होता, तो बड़ी जनहानि से इनकार नहीं किया जा सकता था, क्योंकि इस मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों लोग गुजरते हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पुलिया का लगभग 20 से 30 मीटर हिस्सा अचानक धंस गया, जिससे मार्ग पूरी तरह प्रभावित हो गया। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है और लोगों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि महज चार वर्ष पहले बनी पुलिया का इस तरह ढह जाना निर्माण कार्य में गंभीर लापरवाही और गुणवत्ता की कमी की ओर संकेत करता है। लोगों का आरोप है कि कई निर्माण कार्यों में स्वीकृत एस्टीमेट और निर्धारित तकनीकी मानकों का पूरी तरह पालन नहीं किया जाता, जिसके कारण करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद निर्माण लंबे समय तक टिक नहीं पाते। क्षेत्र के जानकारों का कहना है कि एसईसीएल के कई निर्माण कार्य ठेकेदारों को कम दर पर आवंटित किए जाते हैं। ऐसे में लागत कम करने के प्रयास में निर्माण सामग्री और गुणवत्ता से समझौता किए जाने की आशंका बनी रहती है। यदि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप न हो, तो भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोबारा भी हो सकती हैं। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने एसईसीएल प्रबंधन से पुलिया निर्माण की उच्चस्तरीय तकनीकी जांच कराने, निर्माण की गुणवत्ता की स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने तथा दोषी पाए जाने पर संबंधित ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही वर्तमान में चल रहे सभी निर्माण कार्यों का भी गुणवत्ता परीक्षण कराने की मांग उठाई गई है, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे से बचा जा सके। फिलहाल क्षतिग्रस्त पुलिया के कारण मार्ग पर आवागमन प्रभावित है और लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है। अब सभी की निगाहें एसईसीएल प्रबंधन की जांच और आगे की कार्रवाई पर टिकी हैं।